पाठ – 2 भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

अभ्यास

Q1. कोष्ठक में दिए गए सही विकल्प का इस्तेमाल कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) सेवा क्षेत्रक में रोज़गार में उत्पादन के समान अनुपात में वृद्धि _____. (हुई है / नहीं हुई है)

(ख) _____ क्षेत्रक के श्रमिक वस्तुओ का उत्पादन नहीं करते हैं | (तृतीयक / कृषि)

(ग) _____ क्षेत्रक के अधिकाँश श्रमिकों को रोज़गार सुरक्षा प्राप्त होती है | (संगठित/असंगठित)

(घ) भारत में _____अनुपात में श्रमिक असंगठित क्षेत्र में काम कर रहे हैं | (बड़े /छोटे)

(ड़) कपास एक _____उत्पाद है और कपड़ा एक _____उत्पाद है| (प्राकृतिक/विनिर्मित)

(च) प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रकों की गतिविधियाँ _____है| (स्वतंत्र/ परस्पर निर्भर)

उत्तर : (क) नहीं हुई है (ख) कृषि (ग) संगठित (घ) बड़े (ड़) प्राकृतिक, विनिर्मित (च) परस्पर निर्भर

Q2. सही उत्तर का चयन करें-
(अ) सार्वजनिक और निजी क्षेत्रक आधार पर विभाजित है :
(क) रोजगार की शर्तों
(ख) आर्थिक गतिविधि के स्वभाव
(ग) उद्यमों के स्वामित्व
(घ) उद्यम में नियोजित श्रमिकों की संख्या
उत्तर : (अ) (ग) उद्यमों के स्वामित्व

(ब) एक वस्तु का अधिकांशतः प्राकृतिक प्रक्रिया से उत्पादन _____ क्षेत्रक की गतिविधि है|
(क) प्राथमिक
(ख) द्वितीयक
(ग) तृतीयक
(घ) सूचना प्रौद्योगिकी
उत्तर : (ब) (क) प्राथमिक

(स) किसी वर्ष में उत्पादित _____कुल मूल्य को स. घ .उ. कहते हैं |
(क) सभी वस्तुओं और सेवाओं
(ख) सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं
(ग) सभी मध्यवर्ती वस्तुओं और सेवाओं

(घ) सभी मध्यवर्ती एवं अंतिम वस्तुओं और सेवाओं
उत्तर : (स) (घ) सभी मध्यवर्ती एवं अंतिम वस्तुओं और सेवाओं

(द) स.घ.उ.के पदों में वर्ष 2013-14 के बीच तृतीय क्षेत्र की हिस्सेदारी _____प्रतिशत है |
(क) 20 से 30
(ख) 30 से 40
(ग) 50 से 60
(घ) 60 से 70
उत्तर : (द) (ग) 50 से 60

Q3. निम्नलिखित का मेल कीजिए-

कृषि क्षेत्रक की समस्याएँ	कुछ संभावित उपाय
1. असिंचित भूमि	(अ) कृषि-आधारित मिलों की स्थापना
2. फसलों का कम मूल्य	(ब) सहकारी विपणन समितियाँ
3. कर्ज भार	(स) सरकार द्वारा खाद्यान्नों की वसूली
4. मंदी काल में रोजगार का अभाव	(द) सरकार द्वारा नहरों का निर्माण
5. कटाई के तुरंत बाद स्थानीय व्यापारियों को अपना अनाज बेचने की विवशता	(य) कम ब्याज पर बैंकों द्वारा साख उपलब्ध कराना

उत्तर :

कृषि क्षेत्रक की समस्याएँ	कुछ संभावित उपाय
6. असिंचित भूमि	(द) सरकार द्वारा नहरों का निर्माण
7. फसलों का कम मूल्य	(ब) सहकारी विपणन समितियाँ
8. कर्ज भार	(य) कम ब्याज पर बैंकों द्वारा साख उपलब्ध कराना
9. मंदी काल में रोजगार का अभाव	(अ) कृषि-आधारित मिलों की स्थापना

10. कटाई के तुरंत बाद स्थानीय व्यापारियों को अपना अनाज बेचने की विवशता	(स) सरकार द्वारा खाद्यान्नों की वसूली

Q4. विषम की पहचान करें और बताइए क्यों –
(क) पर्यटन-निर्देशक, धोबी, दर्जी , कुम्हार
(ख) शिक्षक, डॉक्टर, सब्जी विक्रेता, वकील
(ग) डाकिया, मोची, सैनिक, पुलिस कांस्टेबल
(घ) एम.टी.एन.एल., भारतीय रेल, एयर इंडिया, जेट एयरवेज, ऑल इंडिया रेडियो

उत्तर : (क) पर्यटन निर्देशक - पर्यटन-निर्देशक की नियुक्ति सरकार द्वारा की जाती है, जबकि धोबी, दर्जी और कुम्हार निजी क्षेत्र से संबंधित हैं।

(ख) सब्जी विक्रेता - सब्जी विक्रेता तृतीयक क्षेत्रक में आते हैं |

(ग) मोची - मोची निजी क्षेत्रक में आते हैं,बाकी सार्वजनिक क्षेत्र में श्रमिक हैं|

(घ) जेट एयरवेज - जेट एयरवेज़ निजी उद्यम है, जबकि बाकी सरकारी उपक्रम हैं।

Q5. एक शोध छात्र ने सूरत शहर में काम करने वाले लोगों का अध्ययन करके निम्न आँकड़े जुटाए -

कार्य स्थान	रोज़गार की प्रकृति	श्रमिकों का प्रतिशत
सरकार द्वारा पंजीकृत कार्यालयों और कारखानों में	संगठित	15
औपचारिक अधिकार-पत्र सहित बाज़ारों में अपनी दुकान, कार्यालय और क्लिनिक		15
सड़कों पर काम करते लोग, निर्माण श्रमिक, घरेलू श्रमिक		20

छोटी कार्यशालाओं में काम करते लोग, जो प्रायः सरकार द्वारा पंजीकृत नहीं है		-

तालिका को पूरा कीजिए| इस शहर में असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों की प्रतिशतता क्या है?

उत्तर :

कार्य स्थान	रोज़गार की प्रकृति	श्रमिकों का प्रतिशत
सरकार द्वारा पंजीकृत कार्यालयों और कारखानों में	संगठित	15
औपचारिक अधिकार-पत्र सहित बाज़ारों में अपनी दुकान, कार्यालय और क्लिनिक	संगठित	15
सड़कों पर काम करते लोग, निर्माण श्रमिक, घरेलू श्रमिक	असंगठित	20
छोटी कार्यशालाओं में काम करते लोग, जो प्रायः सरकार द्वारा पंजीकृत नहीं है	असंगठित	50

Q6. क्या आप मानते हैं कि आर्थिक गतिविधियों का प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्र में विभाजन की उपयोगिता है? व्याख्या कीजिए कि कैसे ?

उत्तर : प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों का विभाजन यह पता लगाने में मदद करता है कि आर्थिक गतिविधि का कौन सा क्षेत्र देश की जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय में कम या ज्यादा योगदान देता है। यदि तृतीयक क्षेत्र प्राथमिक क्षेत्र की तुलना में बहुत तेजी से विकसित हो रहा है, तो इसका अर्थ है कि कृषि में कमी हो रही है, और सरकार को इसे सुधारने के उपाय करने चाहिए। कृषि अलोकप्रिय या प्रतिगामी होने का ज्ञान केवल तभी हो सकता है जब हम जानते हैं कि यह किस क्षेत्र का है। इसलिए, सुचारू आर्थिक प्रशासन और विकास के लिए इन तीन बुनियादी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को वर्गीकृत करना आवश्यक है।

Q7. इस अध्याय में आए प्रत्येक क्षेत्र को रोज़गार और सकल घरेलू उत्पाद (स.घ.उ.) पर ही क्यों केंद्रित करना चाहिए? क्या अन्य वाद-पदों का परीक्षण किया जा सकता है? चर्चा करें|

उत्तर : रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद पर ध्यान केंद्रित करने से दो महत्वपूर्ण चीजें निर्धारित होती हैं- प्रति व्यक्ति आय और उत्पादकता।इस अध्याय में हमारे सामने आने वाले प्रत्येक क्षेत्रों के लिए, किसी को रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि ये देश की अर्थव्यवस्था के आकार को निर्धारित करते हैं। इसलिए, तीन क्षेत्रों में से प्रत्येक में, रोजगार दर और स्थिति के साथ-साथ जीडीपी में इसके योगदान से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि यह क्षेत्र किस तरह से कार्य कर रहा है और इसमें और वृद्धि लाने के लिए क्या किया जाना चाहिए।

Q8. जीविका के लिए काम करने वाले अपने आसपास के वयस्कों के सभी कार्यों की लंबी सूची बनाइये | उन्हें आप किस तरीके से वर्गीकृत कर सकते हैं? अपने चयन की व्याख्या कीजिए|

उत्तर : (i) शिक्षक - संगठित क्षेत्रक
(ii) डॉक्टर - संगठित क्षेत्रक
(iii) डाकिया - तृतीयक, संगठित क्षेत्रक
(iv) वकील - संगठित क्षेत्र, तृतीयक क्षेत्रक, सार्वजनिक क्षेत्रक
(v) सिपाही - सार्वजनिक क्षेत्र}
(vi) दर्जी - प्राथमिक क्षेत्रक
(vii) दुकानदार - प्राथमिक क्षेत्रक
(viii) धोबी - प्राथमिक क्षेत्रक

Q9. तृतीयक क्षेत्रक बाकी क्षेत्रकों से कैसे भिन्न है ? सोदाहरण व्याख्या कीजिए

उत्तर : तृतीयक क्षेत्र अन्य क्षेत्रों से अलग है क्योंकि यह कुछ भी निर्माण या उत्पादन नहीं करता है। इस कारण से, इसे सेवा क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है। यह विकास में प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों को सहायता करता है। तृतीयक क्षेत्र में परिवहन, माल के भंडारण, संचार, बैंकिंग और प्रशासनिक कार्य जैसी सेवाएं शामिल हैं।

Q10. प्रच्छन्न बेरोज़गारी से आप क्या समझते हैं? शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से उदाहरण देकर व्याख्या कीजिए |

उत्तर : प्रच्छन्न बेरोज़गारी, बेरोज़गारी का एक रूप है जहाँ एक काम होता है लेकिन काम विभाजित होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में, यह कृषक समुदाय में देखा जा सकता है, जहाँ एक परिवार के सभी सदस्य खेत पर काम कर रहे हों, भले ही इतने हाथों की आवश्यकता न हो। दूसरे काम की कमी के कारण वे ऐसा करते हैं। शहरी क्षेत्रों में, प्रच्छन्न बेरोज़गारी को सेवा क्षेत्र में देखा जा सकता है जहाँ चित्रकार, प्लंबर, मरम्मत करने वाले व्यक्ति और छोटे काम करने वाले लोग काम करते हैं, लेकिन उन्हें रोज़ या नियमित रोज़गार नहीं मिल सकता है।

Q11. खुली बेरोज़गारी और प्रच्छन्न बेरोज़गारी के बीच विभेद कीजिए |

उत्तर : खुली बेरोज़गारी तब है जब किसी व्यक्ति के पास कोई नौकरी नहीं है और वह कुछ भी नहीं कमाता है। दूसरी ओर प्रच्छन्न बेरोज़गारी, जहाँ या तो काम लगातार उपलब्ध नहीं होता है या बहुत से लोग कुछ ऐसे कामों के लिए कार्यरत होते हैं जिनमें इतने हाथों की आवश्यकता नहीं होती है। यह खुली बेरोज़गारी और प्रच्छन्न बेरोज़गारी के बीच आवश्यक अंतर है।

Q12. "भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में तृतीयक क्षेत्रक कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा रहा है |" क्या आप इससे सहमत हैं |अपने उत्तर के समर्थन में कारण दीजिए |

उत्तर : "तृतीयक क्षेत्रक भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा रहा है"। यह कथन सत्य नहीं है। तृतीयक क्षेत्रक ने भारतीय अर्थव्यवस्था में विशेष रूप से पिछले दो दशकों में बहुत योगदान दिया है। पिछले दशक में, सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वृद्धि हुई है, और इसके परिणामस्वरूप, 1973 में तृतीयक क्षेत्र की जीडीपी हिस्सेदारी लगभग 40% से बढ़कर 2003 में 50% से अधिक हो गई है।

Q13. भारत में सेवा क्षेत्रक दो विभिन्न प्रकार के लोग नियोजित करते हैं |ये लोग कौन हैं ?

उत्तर : भारत में सेवा क्षेत्रक दो अलग-अलग प्रकार के लोगों को रोज़गार देता है। ये प्राथमिक और सहायक कार्यकर्ता हैं। प्राथमिक श्रमिकों में वे शामिल होते हैं जो सीधे सेवा प्रदान करते हैं जबकि सहायक कर्मचारी उन लोगों से बने होते हैं जो सेवा प्रदाताओं को सेवाएं देते हैं। जैसे की एक डॉक्टर अपनी सेवाएं एक अस्पताल को अर्पित करता है जहाँ से एक आम आदमी उन तक पहुँच सकता है |

Q14. "असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों का शोषण किया जाता है |" क्या आप इस विचार से सहमत हैं | अपने उत्तर के समर्थन में कारण दीजिए |

उत्तर : असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों का शोषण होता है। मैं इस दृष्टिकोण से सहमत हूं। असंगठित क्षेत्र किसी भी नौकरी की सुरक्षा प्रदान नहीं करता है। इस काम में श्रमिकों का आसानी से शोषण किया जा सकता है। वे किसी नियोक्ता के अत्याचार के खिलाफ विद्रोह करने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं क्योंकि बाद वाले उन्हें किसी भी समय आग लगा सकते हैं।

Q15. अर्थव्यवस्था में गतिविधियाँ रोज़गार की परिस्थितियों के आधार पर कैसे वर्गीकृत की जाती है?

उत्तर : रोज़गार की स्थिति के आधार पर, अर्थव्यवस्था में गतिविधियों को संगठित और असंगठित के रूप में विभाजित किया जाता है। संगठित क्षेत्र नौकरी की सुरक्षा और रोज़गार के लाभ प्रदान करता है, जबकि असंगठित क्षेत्र में मजदूरी एवं नौकरी की सुरक्षा की कमी होती है ।, असंगठित क्षेत्र में कृषि मज़दूर,सड़कों पर विक्रय करने वाले, कबाड़ उठाने वाले और कारीगर शामिल हैं |

Q16. संगठित और असंगठित क्षेत्रकों में विद्यमान रोज़गार परिस्थितियों की तुलना करें |

उत्तर : संगठित और असंगठित क्षेत्रों में रोज़गार की स्थितियाँ अलग हैं। संगठित क्षेत्र नौकरी की सुरक्षा, भुगतान की गई छुट्टियाँ, पेंशन, स्वास्थ्य और अन्य लाभ, निश्चित काम के घंटे और अतिरिक्त समय के लिए अतिरिक्त वेतन प्रदान करती है। दूसरी ओर, असंगठित क्षेत्र में नौकरी की सुरक्षा नहीं है, सेवानिवृत्त होने

पर कोई भुगतान छुट्टियाँ या पेंशन नहीं, भविष्य निधि या स्वास्थ्य बीमा का कोई लाभ नहीं है, काम के घंटे निश्चित नहीं हैं और सुरक्षित कार्य वातावरण की कोई गारंटी नहीं है।

Q17. मनरेगा 2005 के उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए |

उत्तर : मनरेगा 2005 को लागू करने का उद्देश्य ग्रामीण भारत में उन लोगों को 100 दिनों की रोज़गार गारंटी प्रदान करना था जो काम कर सकते हैं, और जिन्हें काम की जरूरत है। यह राइट टू वर्क 200 जिलों में लागू किया गया है। अगर सरकार यह रोज़गार देने में असमर्थ है, तो उसे लोगों को न्यूनतम आय देनी पड़ेगी,जिसे बेरोज़गारी भत्ता कहते है |

Q18. अपने क्षेत्र से उदाहरण लेकर सार्वजनिक और निजी क्षेत्रक की गतिविधियों एवं कार्यों की तुलना तथा वैषम्य कीजिए |

उत्तर : सार्वजानिक क्षेत्रक में सरकार के अधीन काम करने वाले उद्योग आते है और ये लोगों के कल्याण की वस्तुएँ या सेवाएँ जारी करते हैं |सरकारी स्कूल, अस्पताल आदि इसके उदाहरण है | इनका उद्देश्य लाभ कमाना नहीं होता बल्कि लोगों को सेवा प्रदान करना होता हैं | निजी क्षेत्रक में वे उद्योग आते है जो व्यक्ति स्वयं के लाभ के लिए करते हैं | ये आम जनता के लिए वस्तुएँ उपलब्ध कराते है लेकिन अपना लाभ कमाने के उद्देश्य से | निजी अस्पताल, निजी स्कूल इसके उदाहरण हैं |

Q19. अपने क्षेत्र से एक-एक उदाहरण देकर निम्न तालिका को पूरा कीजिए और चर्चा कीजिए:

	सुव्यवस्थित प्रबंध वाले संगठन	कुव्यवस्थित प्रबंध वाले संगठन
सार्वजनिक क्षेत्रक		
निजी क्षेत्रक		

उत्तर :

	सुव्यवस्थित प्रबंध वाले संगठन	कुव्यवस्थित प्रबंध वाले संगठन
सार्वजनिक क्षेत्रक	इसरो	इंडियन रेलवेज
निजी क्षेत्रक	रिलायंस	किंगफ़िशर

Q20. सार्वजनिक क्षेत्रक की गतिविधियों के कुछ उदाहरण दीजिए और व्याख्या कीजिए कि सरकार द्वारा इन गतिविधियों का कार्यान्वयन क्यों किया जाता है?

उत्तर : सार्वजनिक क्षेत्रक की गतिविधियों के कुछ उदाहरणों में पानी, बिजली और परिवहन हैं। सरकार ने इन्हें उठाया है क्योंकि पानी और बिजली की जरूरत सभी को है। यदि बिजली और पानी उपलब्ध कराने का काम निजी उद्यमों के लिए छोड़ दिया जाता है, तो बाद वाला इस अवसर का फायदा उठा सकता है| इसलिए, यह सुनिश्चित करने के लिए कि पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएँ सभी के लिए उपलब्ध हो, सरकार कम और सस्ती दरों पर इनकी आपूर्ति करती है।

Q21. व्याख्या कीजिए कि किसी देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्रक कैसे योगदान करता है?

उत्तर किसी देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्रक का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्रक का उद्देश्य लाभ कमाना नहीं होता। सभी महत्त्वपूर्ण गतिविधियों का संचालन सार्वजनिक क्षेत्रक के द्वारा किया जाता है। ऐसी गतिविधियाँ जिनकी आवश्यकता समाज के सभी सदस्यों को होती है, जैसे सड़कों, पुलों, रेलवे, पत्तनों, बिजली आदि का निर्माण और बाँध आदि से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराना सार्वजनिक क्षेत्रक का काम है। सरकारऐसे भारी व्यय स्वयं उठाती है। सरकार किसानों को उचित मूल्य दिलाने के लिए गेहूँ और चावल खरीदती है। इसे अपने गोदामों में भंडारित करती है और राशन की दुकानों के माध्यम से उपभोक्ताओं को कम मूल्य पर बेचती है। इस प्रकार -सरकार किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को सहायता पहुँचाती है।

सभी के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएँ उपलब्ध कराना जैसे प्राथमिक कार्य भी सार्वजनिक क्षेत्रक में आते हैं। समुचित ढंग से विद्यालय चलाना और गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार का कर्तव्य है। इस प्रकार किसी देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्रक का योगदान महत्त्वपूर्ण है।

Q22. असंगठित क्षेत्रक के श्रमिकों को निम्नलिखित मुद्दों पर संरक्षण की आवश्यकता है-मजदूरी, सुरक्षा और स्वास्थ्य। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

उत्तर असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को मजदूरी, सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर संरक्षण की आवश्यकता है। इसे निम्न प्रकार से स्पष्ट किया जा सकता है.

1. मजदूरी-असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को काम करने का समय निश्चित नहीं है उन्हें 10 से 12 घंटे तक बिना ओवरटाइम के कार्य करना पड़ता है। इन श्रमिकों में प्राय: रोजगार सुरक्षा का अभाव पाया जाता है। गरीबी के कारण ये प्रायः कम मजदूरी दरों पर काम करने को तैयार हो जाते हैं। इसलिए इन्हें इस संदर्भ में सुरक्षा दी जानी चाहिए। इनके भी काम करने के घंटे तथा मजदूरी निश्चित होनी चाहिए।

2. सुरक्षा-इस क्षेत्र के श्रमिक प्राय: जोखिम वाले कार्यों में संलग्न रहते हैं जैसे-ईंट उद्योग, कोयले की खानों आदि में कार्य करते हैं। अत: इनकी सुरक्षा की गारंटी मिलनी चाहिए।

3. स्वास्थ्य-ये श्रमिक गरीब होते हैं। इनको पौष्टिक आहार नहीं मिल पाता। ये स्वास्थ्य के विपरीत परिस्थितियों में काम करते हैं। इन कारणों से इनकी स्थिति अच्छी नहीं होती। इनके स्वास्थ्य के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने चाहिए।

Q23. अहमदाबाद में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि नगर के 15,00,000 श्रमिकों में से 11,00,000 श्रमिक असंगठित क्षेत्रक में काम करते थे| वर्ष 1997-98 में नगर की कुल आय 600 करोड़ रुपए थी इसमें से 320 करोड़ रुपए संगठित क्षेत्रक से प्राप्त होती थी | इस आंकड़े को तालिका में प्रदर्शित कीजिए | नगर में और अधिक रोज़गार-सृजन के लिए किन तरीकों पर विचार किया जाना चाहिए?

उत्तर :

-	संगठित क्षेत्र	असंगठित क्षेत्र	कुल
श्रमिकों की संख्या	4,00,000	11,00,000	15,00,000
आय	320 करोड़	280 करोड़	600 करोड़

इस तालिका से हम यह निष्कर्ष निकाल सकते है कि संगठित क्षेत्र में श्रमिक कम लगे है लेकिन उनकी आय असंगठित क्षेत्र से ज्यादा है | इसका मतलब है असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों को आय कम मिलती है इसलिए लोगों को स्व-रोजगार प्रारंभ करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा |

Q24. निम्नलिखित तालिका में तीनों क्षेत्रकों का सकल घरेलू उत्पाद(स.घ.उ.) रुपए (करोड़) में दिया गया है :

वर्ष	प्राथमिक	द्वितीयक	तृतीयक
2000	52,000	48,500	1,33,500
2013	8,00,500	10,74,000	38,68,000

(क) वर्ष 2000 एवं 2013 के लिए स.घ.उ. में तीनों क्षेत्रकों की हिस्सेदारी की गणना कीजिए |
(ख) इन आंकड़ों को अध्याय में दिए आलेख-2 के समान एक दंड-आलेख के रूप में प्रदर्शित कीजिए |
(ग) दंड-आलेख में हम क्या निष्कर्ष प्राप्त करते है?

उत्तर : (क) वर्ष 2000 के लिए स.घ.उ. में तीनों क्षेत्रकों की हिस्सेदारी - प्राथमिक क्षेत्रक = 22.22%, द्वितीयक क्षेत्रक = 20.72%, तृतीयक क्षेत्रक = 57.05%

(ख) वर्ष 2013 के लिए स.घ.उ. में तीनों क्षेत्रकों की हिस्सेदारी - प्राथमिक क्षेत्रक = 13.93%, द्वितीयक क्षेत्रक = 18.70%, तृतीयक क्षेत्रक = 67.35%

(ग) दंड-आलेख से हम निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि जीडीपी में तृतीयक क्षेत्र का हिस्सा बहुत तेज़ी से बढ़ा है, जबकि प्राथमिक क्षेत्र का हिस्सा घटा है । द्वितीयक क्षेत्र में भी बढ़त देखी जा सकती है|